सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 99 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 14 मई, 2022

मूल्य ₹ 3/-

उस चीज को खोजिये जिसे लेकर आप सुपर पैशनेट हों।

-मार्क जुकरबर्ग

गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड, पारा 47... 7 | अब राज्य सभा चुनाव पर भाजपा... 3 | भाजपा राज में अराजकता की... 2

भारत ने दुनिया को दिया अपनी ताकत का संदेश : राजनाथ

» रक्षामंत्री ने दस वर्षों में ईकोनॉमी में भारत के विश्व के तीन टॉप देशों में शामिल होने की जताई उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने अपनी ताकत का संदेश पूरे दुनिया को दिया है। परिणामों की चिंता नहीं करेगा, स्वाभिमान से समझौता नहीं करेगा, ये है आज का भारत। 2014 के बाद से विश्व में भारत की प्रतिष्ठा, साख और विश्वसनीयता बढ़ी है। पहले भारत की बात को गंभीरता से नहीं लिया जाता था। आज अमेरिका भी भारत की बात सुनकर उस पर अमल करने की कोशिश करता है। नेतृत्व प्रभावी होता है तो विकास को कोई नहीं रोक सकता है।

नमस्ते लखनऊ विद राजनाथ सिंह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डिफेंस की क्षमता और अर्थव्यवस्था से किसी देश की ताकत का आकलन होता है। यदि कोरोना और यूक्रेन-रूस युद्ध नहीं होता तो हमारी अर्थव्यवस्था का आकार 4.3 ट्रिलियन डॉलर होता। भारत की तरह ही अमेरिका और चीन में भी महंगाई का संकट है। कोरोना से अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हमारे कोरोना प्रबंधन की प्रशंसा की है।

"विश्व स्वास्थ्य संगठन ने की देश के कोरोना प्रबंधन की प्रशंसा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार में हो रही बढ़ोतरी"

देश से निर्यात लगतार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार बढ़ रहा है। आरबीआई ने महंगाई रोकने के लिए कदम उठाए है। उन्होंने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था का आकार उतना बड़ा नहीं है पर हमारा स्वप्न है कि आगामी दस वर्षों में हमारा भारत ईकोनोमी में टॉप तीन देशों में शामिल हो जाए। कोरोना और यूक्रेन युद्ध के बावजूद जीडीपी ग्रोथ रेट बढ़ी है। अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ाने के लिए ट्रेड अग्रीमेंट की दिशा में भी प्रयास हो रहे हैं।

अगर कोरोना और रूस-यूक्रेन युद्ध नहीं होता तो देश की अर्थव्यवस्था होती 4.3 ट्रिलियन डॉलर

रक्षामंत्री का ऐलान, लखनऊ में बनेंगे पांच और फ्लाईओवर

राजनाथ सिंह ने कहा, चाहे कोई संसदीय निर्वाचन क्षेत्र हो, राज्य हो या देश, कोई दावा नहीं कर सकता कि वहां का समग्र विकास हुआ है। हमने पहले दिन से बस ईमानदारी से प्रयास किया है। रिंग रोड का काम अब तक पूरा हो जाना चाहिए था। जितना उस काम की प्रगति होनी चाहिए थी, वह नहीं हुई है। 104 किमी की रिंग रोड हमारा ड्रीम प्रोजेक्ट है। यह बन जाने के बाद भारत के किसी कोने से कोई लखनऊ आना चाहता है तो वह सीधे इस रिंग रोड से अपने मोहल्ले, अपने घर पहुंचेगा। शहर में छह फ्लाईओवर बन गए हैं। लखनऊ के लोगों को जाम से निजात दिलाने के लिए पांच फ्लाईओवर और स्वीकृत हो गए हैं। जल्द निर्माण शुरू होंगे।

व्यवस्था परिवर्तन से लगेगा भ्रष्टाचार पर अंकुश

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि केवल संस्कारित करके नहीं व्यवस्था में परिवर्तन लाकर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा सकते हैं। अब सब डिजिटल हुआ है, जिससे भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगा है। जनधन योजना को भी विश्व में सराहा गया। यह करिश्मा है कि गांव के कोने-कोने तक के व्यक्ति को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा गया है। आज हम कोई सुविधा पहुंचाना चाहते हैं तो सीधे खाते में पहुंचता है। लीकेज की संभावना खत्म हुई है।

कड़ी सुरक्षा के बीच ज्ञानवापी में पहले दिन का सर्वे पूरा, तहखानों में हुई वीडियोग्राफी

» हिंदू पक्ष के जितेंद्र सिंह का दावा, वहां कल्पना से बहुत ज्यादा, कल भी होगा सर्वे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर का सच सामने लाने के लिए अदालत के आदेश पर सभी पक्षों की मौजूदगी में आज पहले दिन का सर्वे समाप्त हो गया। एडवोकेट कमिश्नर की मौजूदगी में सर्वेक्षण के दौरान पूरी टीम ने एक-एक चीज का बारीकी से निरीक्षण किया। एडवोकेट कमिश्नर अजय मिश्र और वादी-प्रतिवादी पक्ष के 50 से ज्यादा लोग परिसर के अंदर गए थे। सुबह 8 बजे से शुरू हुआ सर्वे करीब 12 बजे तक चला। इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही।

सर्वे के बाद बाहर निकले विश्व वैदिक सनातन संघ के प्रमुख जितेंद्र सिंह बिसेन ने कहा है कि वहां कल्पना से बहुत कुछ ज्यादा है। कल के सर्वे के लिए भी बहुत कुछ है। कुछ ताले खोले गए, कुछ ताले तोड़ने पड़े। उन्होंने कहा कि न्यायालय के निर्देश के मुताबिक सर्वे हो रहे हैं। वकीलों ने कहा कि करीब चार घंटे तक ये कार्यवाही चली। रिपोर्ट अत्यंत गोपनीय है। कोर्ट का आदेश है कि जो कोई भी कार्यवाही को लेकर बाहर कुछ लीक करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जहां-जहां का सर्वे करना था, वहां-वहां किया गया। वकीलों ने ये भी कहा कि सर्वे की कार्यवाही कल यानी 15 मई को भी जारी रहेगी। दीवारों पर कोई चिन्ह, प्रतीक चिह्न मिला? तहखाने में क्या मिला? इस सवाल का जवाब देने से वादी पक्ष के जितेंद्र सिंह बिसेन के साथ वकील तक हर कोई बचता रहा।

क्या है मामला

ज्ञानवापी परिसर स्थित श्रृंगार गौरी के रोजाना दर्शन पूजन की मांग को लेकर पांच महिलाओं की ओर से दायर वाद पर बीते आठ अप्रैल को सुनवाई हुई। अदालत ने अजय कुमार मिश्र को अधिवक्ता आयुक्त नियुक्त करते हुए ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण कर 10 मई तक अदालत में रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। छह मई को कमीशन की कार्यवाही शुरू तो हुई लेकिन पूरी नहीं हो सकी। अब अदालत के फैसले के बाद कमीशन की कार्यवाही शुरू हुई।

सुनील जाखड़ ने कांग्रेस को बोला गुड बाय, कहा खटिया पर है पार्टी

» शीर्ष नेतृत्व पर साधा निशाना, चिंतन नहीं चिंता शिविर की जरूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कांग्रेस पर जमकर हमला किया। उन्होंने अंबिका सोनी का नाम लेते हुए सोनिया गांधी से उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की बुरी हालत है और वह खटिया पर है। उन्होंने कांग्रेस को गुड बाय भी कह दिया।

जाखड़ ने फेसबुक पर लाइव होकर अपना दर्द बयां किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व चापलूसों से घिरा हुआ है। उन्होंने कहा कि खुद को कांग्रेस अनुशासन कमेटी द्वारा मुझे नोटिस देना बहुत ही चोट पहुंचाने वाला है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अनुशासन कमेटी की रिपोर्ट पर मुझे पार्टी के सभी पदों से हटाने का पत्र जारी किया। सोनिया बताएं कि मैं किस पद पर था जो मुझे हटाया गया। हकीकत यह है कि मैं पार्टी में किसी पद पर था ही नहीं। जाखड़ ने कहा कि कांग्रेस को बचाने की जरूरत है। चिंतन शिविर की जगह चिंता शिविर का आयोजन होना चाहिए था। अंत में उन्होंने कांग्रेस को गुड लक के साथ गुड बाय भी कह दिया।

योगी सरकार के मंत्रियों से सीधा संवाद करेंगे पीएम मोदी, देंगे सुशासन का मंत्र

» स्वागत की तैयारियों में जुटा अमला, मंत्रियों को करवाना होगा आरटीपीसीआर टेस्ट

» 16 मई को प्रधानमंत्री लखनऊ पहुंचेंगे, रात्रिभोज में भी होंगे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 मई को लखनऊ में योगी सरकार के मंत्रियों से मुख्यमंत्री आवास पर सीधा संवाद करेंगे और उन्हें सुशासन का मंत्र देंगे। प्रधानमंत्री का यूपी के मंत्रियों के साथ इस तरह का संवाद पहली बार होने जा रहा है। वहीं पीएम के स्वागत की तैयारियों में प्रशासनिक अमला जुट गया है। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना, उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य व बृजेश पाठक व अन्य सभी मंत्री प्रधानमंत्री का स्वागत करेंगे। यहीं पर रात्रिभोज का आयोजन भी किया गया है।

सभी मंत्रियों को कोरोना का आरटीपीसीआर टेस्ट कराने को कहा गया है।

प्रधानमंत्री 16 मई की शाम को कुशीनगर से लौटकर मुख्यमंत्री आवास पांच कालिदास मार्ग पहुंचेंगे। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मंत्रियों से सुशासन व विकास के बारे में चर्चा करेंगे और संदेश देंगे। साथ ही किसी मंत्री से उसके विभाग के काम के बारे में भी बात कर सकते हैं। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने प्रधानमंत्री की यात्रा के संबंध में पुलिस अधिकारियों संग शुक्रवार को बैठक की और सुरक्षा बंदोबस्त पुख्ता करने पर जोर दिया। सभी मंत्रियों को कोरोना का आरटीपीसीआर टेस्ट कराने को कहा गया है। गौरतलब है कि बुद्धपूर्णिमा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 मई को नेपाल में भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी जाएंगे। लुंबिनी से लौटकर कुशीनगर होते हुए वह शाम को लखनऊ पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी योगी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में आए थे। उस वक्त उनका मंत्रियों से संवाद नहीं हुआ था। प्रधानमंत्री के एयरपोर्ट से लेकर मुख्यमंत्री आवास तक मार्ग में पड़ने वाले चौराहों को सजाया जा रहा है। वहां फूल वाले पौधे युक्त गमले लगाए जा रहे हैं। बिजली की झालर व एलईडी लाइट लगाकर चौराहों को जगमग किया जा रहा है।

राजस्व परिषद से रिटायर निजी सचिव विवेकानंद पर शिकंजा

» अब 50 हजार का इनाम फरार चल रहा है आरोपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजस्व परिषद के पूर्व निजी सचिव विवेकानंद डोबरियाल को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है। पुलिस ने आरोपी पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था। आरोपित के फरार होने के बाद पुलिस अब इनाम की धनराशि बढ़ा रही है। विवेकानंद पर अब 50 हजार का इनाम घोषित किया जाएगा। डीसीपी पश्चिम सोमेन बर्मा ने इनाम की राशि बढ़ाने का प्रस्ताव भेज दिया है।

कई दिनों से तलाश में लगी एसटीएफ को भी विवेकानंद के बारे में जानकारी नहीं मिल पा रही है। पुलिस ने रजिस्ट्री दफ्तर में कुछ दस्तावेज खंगाले हैं। पड़ताल में कई राजस्वकर्मियों की भूमिका उजागर हुई है। पुलिस ने संदेह के आधार पर ऐसे कर्मचारियों को नोटिस भी भेजा है। अब इन कर्मचारियों से पूछताछ की जाएगी। पुलिस पीड़ितों का भी बयान दर्ज करेगी। गौरतलब है कि कैसरबाग कोतवाली में विवेकानंद के खिलाफ वसूली, धोखाधड़ी और कई धाराओं में एफआइआर दर्ज की गई थी। फिलहाल वह फरार है।

पंद्रह जून तक पूरे हो जाएं बाढ़ से निपटने के इंतजाम: स्वतंत्र देव

» जलशक्ति मंत्री ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

» 2024 तक हर घर में पहुंचेगा पाइप लाइन से पानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। मानसून सक्रिय होने से पहले जिले में बाढ़ रोकथाम के लिए किए जा रहे इंतजामों की शुक्रवार को सर्किट हाउस में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बाढ़ रोकथाम के सभी इंतजाम 15 जून तक पूरे हो जाएं और बाढ़ चौकियों को एक्टिव किया जाए।

समीक्षा बैठक में स्वतंत्र देव सिंह ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से बाढ़ वाले क्षेत्रों की जानकारी ली। अधिकारियों से फोटो और वीडियो तक मंगाए। बरेली में 250 गांवों में बाढ़ का खतरा है। सिंचाई विभाग की ओर से चार गांवों में बाढ़ अवरोधक योजना के तहत काम

कराया जा रहा है। जल शक्ति मंत्री ने बरेली की सभी 53 बाढ़ चौकियों पर तैनात होने वाले कर्मचारियों के नाम फाइनल करने को कहा है। स्वास्थ्य और पशुपालन विभाग को जरूरी दवाइयों का समय पर इंतजाम करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी गांव के हर घर में 2024 तक पाइप लाइन से पीने का शुद्ध पानी पहुंच जाएगा। जल जीवन मिशन के तहत गांवों में ओवरहेड टैंक से पानी की आपूर्ति करने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है। सबसे अधिक फायदा बुंदेलखंड को होगा। मंत्री ने लोगों से पानी की बर्बादी रोकने की अपील की।

विधान सभा के प्रबोधन कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे लोक सभा के अध्यक्ष ओम बिरला

» 20-21 मई को आयोजित किया गया है कार्यक्रम, 23 से शुरू होगा बजट सत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की अठारहवीं विधान सभा के सदस्यों के लिए 20 और 21 मई को आयोजित किये जाने वाले प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे। विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शुक्रवार को नई दिल्ली में लोक सभा अध्यक्ष से मुलाकात कर उनसे प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन के लिए आमंत्रण स्वीकार करने का अनुरोध किया।

उत्तर प्रदेश में विधानमंडल का बजट

सत्र 23 मई से शुरू होगा। अठारहवीं विधान सभा का यह पहला सत्र होगा। सत्र से पहले सदन के सदस्यों को विधान सभा की कार्यवाही, कार्य संचालन नियमावली, परंपराओं आदि के बारे में प्रशिक्षण देने के लिए दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। बजट सत्र से ही विधान सभा में नेशनल ई-विधान परियोजना को भी लागू करने की तैयारी है। इस लिहाज से प्रबोधन कार्यक्रम का महत्व और बढ़ जाता है। वहीं राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द छह जून को विधान मंडल के विशेष सत्र में विधान परिषद और विधान सभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है और इसके लिए तैयारियां जारी हैं। मूल रूप से कानपुर देहात के परौंख गांव के निवासी रामनाथ कोविन्द का राष्ट्रपति के रूप में कार्यकाल जुलाई में समाप्त होगा। राष्ट्रपति के पद को सुशोभित करने वाले उप्र के वह पहले व्यक्ति हैं। उनके सम्मान में यह कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी है।

आजम के खिलाफ बदले की कार्रवाई कर रही सरकार: प्रमोद

» बसपा जिलाध्यक्ष ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार सागर निरंकारी एडवोकेट ने कहा कि सपा विधायक पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खा के विरुद्ध भाजपा बदले की भावना से कार्य कर रही है जो कि दुखद है। भाजपा सरकार खासतौर से दलितों व मुस्लिमों को टारगेट कर रही है।

ग्राम ताशका में पार्टी की एक बैठक में जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार सागर निरंकारी एडवोकेट ने कहा कि भाजपा अपने विरोधियों को निशाना बना रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव ने आजम खा का बिल्कुल साथ नहीं दिया है अगर सपा आजम खा का साथ देती तो आजम खान का यह हाल नहीं होता और न ही इतने मुकदमे लगते। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने विधायक व पूर्व मंत्री को बेसहारा कर छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था चौपट हो चुकी है। भाजपा सिर्फ विपक्षियों पर बदले की भावना से कार्य कर रही है। मुस्लिम समाज अगर भाजपा से बदला लेना चाहता है तो बसपा का साथ दें। उपचुनाव में लोक सभा प्रत्याशी का समर्थन कर बहुजन समाज पार्टी को बहुमत से जिताने का काम करें। इस अवसर पर हबीब उर रहमान, रमेश श्रीवास्तव, ऋषि गौतम, शाकिर रजा खान, इसरार अली एडवोकेट, नरेश लोधी, राम भजन सागर, हरिनंदन सागर, मुकेश सागर, परमानंद इत्यादि मौजूद रहे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

अब राज्य सभा चुनाव पर भाजपा की नजर सपा से होगा मुकाबला

विधान सभा चुनाव में भी सपा से हुआ था सीधा मुकाबला

» दस जून को होंगे चुनाव, 11 सीटें हो रही हैं खाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा तथा विधान परिषद में प्रचंड बहुमत मिलने के बाद अब भाजपा की नजर राज्य सभा चुनाव पर टिक गयी है। इसके लिए भाजपा ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रदेश से जुलाई में खाली हो रहे 11 राज्य सभा सदस्यों के पद के लिए चुनाव दस जून को होगा। राज्य सभा में उत्तर प्रदेश से 31 सदस्य जाते हैं।

भारतीय जनता पार्टी के पांच, समाजवादी पार्टी के तीन, बहुजन समाज पार्टी के दो तथा कांग्रेस के एक राज्य सभा सदस्य का कार्यकाल समाप्त होने पर यह चुनाव हो रहे हैं। कांग्रेस के कपिल सिब्बल उत्तर प्रदेश से राज्य सभा सदस्य थे। विधान सभा चुनाव में भाजपा को सपा ने टक्कर दी थी। अब राज्य सभा चुनाव में भी भाजपा तथा समाजवादी पार्टी के बीच मुकाबला है। जिन 11 राज्य सभा सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उनमें सबसे ज्यादा पांच भाजपा के हैं। इसके साथ तीन समाजवादी पार्टी, दो बहुजन समाज पार्टी और एक कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य हैं। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील और पूर्व केन्द्रीय मंत्री सिब्बल को जब 5 जुलाई, 2016 को उत्तर प्रदेश से राज्य सभा में भेजा था, तब पार्टी के पास 29 एमएलए हुआ करते थे। 2022 के विधान सभा चुनाव में कांग्रेस के सिर्फ दो विधायक जीते हैं। कांग्रेस का अपने लिए यूपी में इस बार दरवाजा बंद हो चुका है। कांग्रेस की तरह ही बसपा का भी हाल है। उसके भी सिर्फ एक विधायक हैं। राज्य सभा से रिटायर हो रहे बसपा के दोनों बड़े नेता सतीश चंद्र मिश्रा और अशोक सिद्धार्थ की फिलहाल उच्च सदन में प्रवेश की गुंजाइश नहीं दिख रही है।

उत्तर प्रदेश से अभी भारतीय जनता पार्टी के 22 राज्य सभा सदस्य हैं। सांसद हैं राज्यसभा में उत्तर प्रदेश के 31 सांसदों की नुमाइंदगी होती है। सपा के पांच, बहुजन समाज पार्टी के तीन और कांग्रेस के सिर्फ एक राज्यसभा सदस्य हैं। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का हाल बेहद खराब है। पार्टी के सिर्फ दो विधायक हैं, जबकि रायबरेली से सोनिया गांधी लोक सभा सदस्य हैं। बसपा से सतीश गौतम अभी राज्यसभा में रहेंगे। जाहिर है इस चुनाव में भाजपा अधिक से अधिक सीटें जीतने की कोशिश करेगी।

इनका पूरा हो रहा है कार्यकाल

भाजपा के मुस्लिम चेहरे जफर इस्लाम, शिव प्रताप शुक्ला, संजय सेठ, सुरेन्द्र नागर और जय प्रकाश निषाद। सपा से कार्यकाल पूरा करने वालों में सुखराम सिंह यादव, रेवती रमण सिंह, विष्भर प्रसाद निषाद। सुखराम सिंह यादव के बेटे मोहित यादव हाल ही में भाजपा में शामिल हो चुके हैं। बसपा के सतीश चंद्र मिश्रा और अशोक सिद्धार्थ तथा कांग्रेस के कपिल सिब्बल।

इनकी भूमिका अहम

यूपी से राज्यसभा की 11वीं सीट पर किसी भी उम्मीदवार की जीत के लिए कांग्रेस, राजा भैया की जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) और बसपा की भूमिका अहम हो जाएगी। कांग्रेस के दो, जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के दो और बीएसपी के एक विधायक हैं। इनमें से सपा के कांग्रेस से समर्थन मिलना लगभग तय लग रहा है। इसी तरह राजा भैया की चुनावों से पहले जिस तरह से सपा चीफ अखिलेश यादव से तल्खी बढ़ी थी तो वह भाजपा गठबंधन के साथ जा सकते है। बसपा के बारे में फिलहाल कोई भी अटकल लगाना मुश्किल है। भाजपा गठबंधन के पास सात उम्मीदवारों को वोट देने के बाद 24 अतिरिक्त वोट बचेंगे और सपा गठबंधन के पास 19 अतिरिक्त वोट। मौजूदा गुणा-गणित के हिसाब से 11वीं सीट पर भी सत्ताधारी गठबंधन का पलड़ा भारी पड़ सकता है।

11 वीं सीट पर होगा असली मुकाबला

प्रदेश विधान सभा में 403 विधायक में भाजपा गठबंधन के पास 273 विधायक हैं। मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और उसके सहयोगी दलों के विधायकों की कुल संख्या 125 बनती है। जुलाई में उत्तर प्रदेश से राज्य सभा के जो 11 सीटें खाली हो रही हैं, उसमें से प्रत्यके सीट के लिए कम से कम 37 विधायकों का वोट चाहिए। इस हिसाब से भाजपा गठबंधन सात सीटों पर आसानी से जीत दर्ज कर सकता है और तीन सीटों पर सपा गठबंधन की जीत पक्की लग रही है। असल मुकाबला 11वीं सीट के लिए होना है जिसके लिए दोनों ही गठबंधन को बाकी दलों का समर्थन चाहिए।

गांव को स्मार्ट बनाने की तैयारी, हाईस्पीड इंटरनेट से लैस होंगे ग्राम सचिवालय

» सरकार ने उपलब्ध कराया कनेक्शन, बनेंगे आय और जाति प्रमाणपत्र

» ग्राम सचिवालय करेगा स्थानीय समस्याओं का समाधान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार अब गांवों को हाईटेक बनाने की तैयारी कर रही है। प्रदेश के 42,000 ग्राम सचिवालयों को इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध करा दिए गए हैं। वहां से जल्द ही निवास, जाति, आय व जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र भी मिल सकेंगे। हर ग्राम पंचायत को आप्टिकल फाइबर या वाईफाई से जोड़ा जा रहा है ताकि गांव से जुड़ी समस्याओं का समाधान ग्राम सचिवालय से कराया जा सके।

योगी सरकार ग्राम पंचायतों के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना स्मार्ट विलेज को साकार कर रही है। सरकार हर ग्राम पंचायत में ग्राम सचिवालय बना रही है। वह ग्राम पंचायतों के माध्यम से विकास के कार्यों के साथ गांव के हर नागरिक को भागीदार बनाना चाहती है। प्रदेश सरकार ग्रामीणों की सभी समस्याओं का समाधान गांव में कराने की योजना पर काम कर रही है। ग्राम सचिवालय के माध्यम से गांव की सभी योजनाओं को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। निदेशक पंचायतीराज अनुज झा ने बताया कि सरकार ने 58,189 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष 40,002 ग्राम सचिवालय स्थापित कर उनमें आवश्यक उपकरण कंप्यूटर फर्नीचर आदि खरीद लिया है। शेष जिलों में कार्यालय उपकरण खरीद की कार्यवाही जल्द पूरी कर ली जाएगी। उपकरणों की खरीद में गुणवत्ता का ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं।

पंचायत सहायकों की नियुक्ति

15,000 क्लस्टर बनाए जाएंगे। इसमें पंचायत सेक्रेटरी, लेखपाल और ग्राम विकास अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। त्रिस्तरीय पंचायतों में डिजिटल प्रणाली लागू करने वाला देश का पहला राज्य यूपी है। प्रदेश में ग्राम सचिवालय के लिए 54,876 पंचायत भवनों का निर्माण से लेकर 56,366 पंचायत सहायकों की नियुक्ति भी की गई है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कश्मीर में टारगेट किलिंग के मायने

सवाल यह है कि क्या जम्मू-कश्मीर में आतंकी संगठनों ने अपनी रणनीति बदल दी है? आम आदमी को निशाना बनाने के पीछे इनकी मंशा क्या है? कश्मीरी पंडितों की हत्याएं क्यों की जा रही हैं? क्या सेना के ऑपरेशन ऑल आउट से आतंकी संगठन बौखला गए हैं? पाकिस्तान से संचालित इन आतंकियों को कौन मदद मुहैया करा रहा है?

जम्मू-कश्मीर में 15 घंटे के भीतर आतंकवादियों ने टारगेट किलिंग की दो वारदातों को अंजाम दिया। आतंकियों ने बडगाम में कश्मीरी पंडित राहुल भट्ट और इसके ठीक बाद पुलवामा में एक पुलिस कर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी। आतंकवादी अब सीधे सेना या सुरक्षा बलों पर अटैक करने की जगह आम लोगों को निशाना बना रहे हैं। आतंकी अन्य राज्यों से यहां आए लोगों की हत्याएं भी कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या जम्मू-कश्मीर में आतंकी संगठनों ने अपनी रणनीति बदल दी है? आम आदमी को निशाना बनाने के पीछे इनकी मंशा क्या है? कश्मीरी पंडितों की हत्याएं क्यों की जा रही हैं? क्या सेना के ऑपरेशन ऑल आउट से आतंकी संगठन बौखला गए हैं? पाकिस्तान से संचालित इन आतंकियों को कौन मदद मुहैया करा रहा है? क्या पाकिस्तान एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में भय और आतंक का माहौल बनाने की साजिश रच रहा है? क्या सेना के सामने एक नयी चुनौती पेश हो गयी है? क्या बिना स्लीपर सेल को समाप्त किए जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद का खात्मा किया जा सकता है?

जम्मू-कश्मीर से धारा 370 के खत्म होने के बाद से न केवल पाकिस्तान बल्कि इसके पाले हुए आतंकी संगठन भी बौखला गए हैं। वे लगातार देश में आतंकी हमलों की साजिश रच रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में तेजी से सामान्य हो रहे हालात से भी आतंकी परेशान हैं। वहीं सेना के ऑपरेशन ऑल आउट के कारण पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकी संगठनों ने अब नयी रणनीति बनायी है। ये आतंकी अब सुरक्षा बलों पर हमला करने की बजाए आम नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। यही नहीं जब से कश्मीर से पलायन कर दूसरे राज्यों में रह रहे कश्मीरी पंडितों को यहां बसाने की प्रक्रिया शुरू की गयी है वे पूरी तरह बौखला गए हैं। लिहाजा कश्मीरी पंडितों और बाहर से आकर बसे लोगों में खौफ पैदा करने के लिए वे लगातार इनको निशाना बना रहे हैं। आतंकियों के लिए यह सबसे आसान भी है क्योंकि सभी नागरिकों को निजी तौर पर सुरक्षा नहीं मुहैया करायी जा सकती है। इन आतंकियों को घाटी में सक्रिय स्थानीय स्लीपर सेल का साथ मिल रहा है। जाहिर है आतंकियों की इस रणनीति ने पुलिस और सेना के सामने एक नयी चुनौती पेश कर दी है। इससे निपटने के लिए नयी रणनीति बनानी होगी। इसमें दो राय नहीं कि जब तक जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के स्लीपर सेल को जड़ से खत्म नहीं किया जाएगा आतंकी गतिविधियों पर नियंत्रण नहीं लगाया जा सकेगा। लिहाजा अब सरकार और सेना को नयी रणनीति के साथ मैदान में आना होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

तपिश से बचाव को बनें नयी नीतियां

दिनेश सी. शर्मा

हाल में देश के कई हिस्सों में तापमान रिकॉर्ड स्तर छू गया, खासकर उत्तर-पूर्वी, मध्य और पूर्वी भारत में। इस ताप लहर से कुछ जिलों में दिन का तापमान कई दफा 45 से 50 डिग्री के बीच रहा। उत्तर-पूरब और मध्य भारत में भीषण गर्मी कोई नई बात नहीं है लेकिन शुरुआती दिनों में ही मौसम का लंबे समय तक शुष्क बने रहना और तापमान में अप्रत्याशित उछाल अनहोनी है। मानसून आने में अभी कुछ हफ्ते बाकी हैं, लिहाजा आगे भी देश में तीखी गर्मी और ताप-लहरें बनने का पूरा अंदेशा है।

गर्मी की रौद्रता से बिजली की मांग में भारी बढ़ोतरी हुई, उत्पादन में फर्क ने बहुत से सूबों में पॉवर कट के हालात पैदा कर दिए। इसके पीछे ताप बिजली घरों को कोयला आपूर्ति में कमी बताई जा रही है। जहां महानगरों में मांग के अनुसार कूलर, एयर कंडीश्नर कम पड़ गए, वहीं छोटे शहरों-कस्बों में पानी की तंगी की खबरें चलीं। चरम तापमान मानव स्वास्थ्य, पशु-पक्षी, कृषि और कारोबार के लिए भी घातक होता है। इससे निपटने के लिए एक ढांचागत कार्यक्रम नीति बनाने की जरूरत है। पहले कदम में, विद्यमान और उभरती वैज्ञानिक सहमतियों के रूप में विज्ञान को स्वीकार करना होना चाहिए। पर्यावरण बदलाव पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) दुनिया के तमाम इलाकों में ताप लहरों की संख्या और तीव्रता में वृद्धि होने के अलावा ग्रीष्म ऋतु लंबी खिंचने एवं सर्दी छोटी होने के बारे में लगातार चेतावनी देता आया है। अगस्त 2021 में आईपीसीसी ने अपनी रिपोर्ट में चेताया था कि वैश्विक तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस बढ़ने से बनी भीषण गर्मी की तीव्रता अक्सर मानवीय शरीर और कृषि की सहन योग्य क्षमता के आसपास बनी रहेगी। हालांकि तटीय क्षेत्रों के तापमान में वृद्धि इस कदर नहीं होगी लेकिन समुद्री जलधाराओं के तापमान में होते बदलावों से मानव और उसकी समुद्रीय आजीविका प्रभावित होंगे। सागरीय ताप-तंत्र में बदलावों के फलस्वरूप समुद्री जल की अम्लता बढ़ेगी और ऑक्सीजन स्तर घटेगा। इंडियन नेटवर्क फॉर क्लाइमेट चेंज एसेस्मेंट के मुताबिक भूमि-सतह पर वायु तापमान के वार्षिक औसत में 1.7 से 2 डिग्री की वृद्धि होने पर भारत में ऊपर बताए सभी प्रभाव महसूस किए जाएंगे। मौसम अंतर से असर और ताप-चरमता सहित इसके अनेकानेक रूप अब एकदम साफ दिख रहे हैं। प्रत्येक ताप लहर के लिए जिम्मेदार

पर्यावरण बदलावों को समझने के लिए हमें 'कारण बोध विज्ञान' विधा को और विकसित करना होगा लेकिन आम चलन में तापमान तीव्रता और बढ़ती आवर्ति को मानव निर्मित बदलावों से जोड़ा जाता है।

दूसरा कदम, ताप-लहर के विपरीत प्रभावों का जोखिम जिस जनसंख्या को पहले है, उसकी शिनाख्त करनी है ताकि एहतियाती उपाय शुरू हो सकें। इस किस्म का आकलन पर्यावरणीय बदलावों को लेकर तैयार हो रही बृहद जोखिम आकलन रिपोर्ट का हिस्सा है। ताप लहरों की समस्या अब हकीकत है और मौजूदा समय में है, इसलिए सबसे ज्यादा प्रभावित सूबों और जिलों का 'जोखिम आकलन अध्ययन' तरजीह पर करने की जरूरत है। इसका मूल प्रारूप पहले से जारी रही कुछ परियोजनाओं जैसा ही है। उदाहरणार्थ, ओडिशा में आईआईपीसी द्वारा किए एक अध्ययन में पाया गया है कि मलिन बस्तियों में रहने वालों को जोखिम सबसे अधिक है, जो उनके घरों की बनावट, गर्म होने वाली छत (टीन या एस्बेस्ट्स), एक ही कमरे में कई जन, बिजली आपूर्ति एवं पानी पर्याप्त न होने की वजह से है।

आंकड़ों के मुताबिक देश के कुल 640 जिलों में 10 बहुत अधिक जोखिम वाली श्रेणी में आते हैं, जबकि अन्य 97 जिले उच्च-जोखिम श्रेणी में हैं। इनमें अधिकांश मध्य भारत के हैं। मानव बस्तियों में जोखिम आकलन सर्वे में बाहरी तापमान निर्धारण में वहां की भौगोलिक स्थिति, हरियाली, वायु-गति इत्यादि गिने जाते हैं तो अंदरूनी तापमान के लिए वायु-संचार और छत्त की संरचना जैसे अवयव। शहरों के अंदर भी कुछ इलाके बाकियों से अधिक जोखिम वाले हो सकते हैं। खतरा कम करने के लिए ऐसे तमाम 'गर्म-बिंदुओं' की शिनाख्त करना जरूरी है। चरम तापीय स्थिति से निपटने हेतु अब तक की नीतिगत प्रतिक्रिया टुकड़ों में और लघु-कालीन रही है। पिछले लगभग 15 सालों से मौसम बदलावों पर जो राष्ट्रीय और सूबाई कार्य योजनाएं हैं, वे सभी सरसरी तौर पर चरमता का जिक्र बतौर एक चुनौती करती तो हैं लेकिन ऐसी साधारण योजनाओं पर अमल बहुत कम रहा। चंद नगर निगमों ने ताप लहर-कार्य योजना बनाने का काम शुरू किया भी परंतु इन पर क्रियान्वयन बहुत धीमा है।

राजद्रोह पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

विराग गुप्ता

अंग्रेजों के समय के कानूनों और अंग्रेजी शब्दों के गलत इस्तेमाल से अनर्थ के साथ बंटाधार भी हुआ है। सेडिशन और सेकुलरिज्म के दो शब्दों के गलत प्रयुक्त अर्थों से इसे समझने की जरूरत है। सेकुलरिज्म को पंथनिरपेक्षता की बजाए धर्मनिरपेक्षता बोलने से बेवजह विवाद होते हैं। इसी तरह सेडिशन का मतलब राजा या शासन के खिलाफ बलवा या विद्रोह है लेकिन, इसे राजद्रोह की बजाय देशद्रोह मानने से अनेक विवाद खड़े हो गये हैं। राजद्रोह पर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश से पीड़ितों को बहुत ज्यादा राहत मिलने की उम्मीद नहीं है लेकिन दमनकारी अंग्रेजी कानूनों के खिलाफ देशव्यापी माहौल बनने से इस आदेश को ऐतिहासिक करार दिया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में चल रहे राजद्रोह कानून की वैधता के मामले में केंद्र सरकार ने कई बार यू-टर्न लिया। आखिरी हलफनामे में केंद्र ने कहा है कि इसकी समीक्षा करने के साथ दुरुपयोग रोकने के लिए राज्यों की पुलिस को जरूरी दिशा-निर्देश जारी किये जायेंगे। संविधान के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को देश का कानून माना जाता है और वे अधीनस्थ अदालतों में बाध्यकारी होते हैं। अंतरिम आदेश के अनुसार राजद्रोह से जुड़े पुराने मामलों के ट्रायल, अपील और अन्य कार्रवाईयों पर रोक लग गयी है लेकिन इन मामलों में गिरफ्तार लोगों की जमानत पर रिहाई के लिए न्यायिक आदेश नहीं जारी किये गये। इसकी पृष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ का 60 साल पुराना फैसला है, जिसमें राजद्रोह के अपराध की धारा-124ए को वैध ठहराया गया था। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के सामने दावा किया कि यह कानून आईपीसी के तहत संज्ञेय अपराध है, इसलिए जब तक सुप्रीम कोर्ट या संसद से इसे रद्द नहीं किया जाए, तब तक इसके इस्तेमाल पर रोक लगाना ठीक नहीं होगा इसीलिए राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को न्यायिक आदेश जारी करने की बजाय सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ इच्छा जाहिर की है कि इस कानून के तहत नये मामले दर्ज नहीं किये जाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का ध्यान रखा है कि इस मामले पर प्रभावी आदेश या फैसला संविधान पीठ द्वारा ही दिया जाना ठीक रहेगा। 1962 में केदारनाथ मामले में पांच जजों की संविधान पीठ ने इस कानून को वैध ठहराया था इसलिए इस बारे में अंतिम निर्णय और आदेश बड़ी यानी सात जजों की बेंच द्वारा ही दिया जाना ठीक होगा। केंद्र सरकार कब, क्या और कैसे इस बारे में दिशा-निर्देश जारी करती है, उसके अनुसार जुलाई में सुप्रीम कोर्ट में बहस होगी, लेकिन उसके पहले तीन बातों को समझना जरूरी है। पहला, राजद्रोह और देशद्रोह दोनों एक अपराध नहीं हैं। देशद्रोह बहुत ही गंभीर अपराध है। भारत में राजद्रोह का कानून 19वीं शताब्दी में इंग्लैंड से आया था। वहां राजा की आलोचना करना देशद्रोह जैसा माना जाता था। इंग्लैंड में इस कानून को 2009 में खत्म कर दिया गया। भारत में हर पांच साल में चुनावों से सरकार बदल जाती है इसलिए सरकारों की आलोचना को राजद्रोह भले ही माना जाए, लेकिन उसे देशद्रोह नहीं मान सकते। प्रधानमंत्री मोदी ने हालिया विदेश यात्रा में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, ईज ऑफ मोबलिटी, ईज ऑफ इन्वेंस्टमेंट समेत अनेक सुधारों का जिक्र करते हुए नये भारत में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से निवेश के लिए आह्वान किया है।

कुछ दिनों पहले हुए चीफ जस्टिस कॉन्फ्रेंस में भी प्रधानमंत्री मोदी ने जेलों में बंद अंडरट्रायल्स की रिहाई के लिए भी जजों और राज्य सरकारों से निवेदन किया था। देश की एकता को खंडित करने और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाले देशद्रोही, राष्ट्रविरोधी, पृथकतावादी और आतंकवादी तत्वों से निबटने के लिए आईपीसी में कई कानूनों के साथ यूएपीए, मकोका पब्लिक सेफ्टी एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) जैसे सख्त कानूनों के साथ विशेष जांच एजेंसियां हैं, इसलिए देशद्रोह की आड़ में राजद्रोह कानून को जारी रखना संविधान और लोकतंत्र दोनों के साथ छल है। दूसरा, कानून बनाने और खत्म करने का अधिकार सरकार और संसद के पास होता है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संविधान के सभी अंगों को लक्ष्मण रेखा का सम्मान करना चाहिए और सरकार अदालत के आदेशों का सम्मान करती है। राजद्रोह जैसे अनेक दमनकारी कानूनों के खात्मे के लिए संसद को पहल करनी चाहिए. इससे कार्यपालिका और विधायिका के कार्यक्षेत्र में न्यायपालिका के अनावश्यक हस्तक्षेप पर रोक लगने के साथ संसद की गरिमा भी बढ़ेगी। तीसरा, पुलिस द्वारा राजद्रोह जैसे कानूनों का दुरुपयोग और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के अनुसार कानून की किताबों में जरूरी बदलाव। राजद्रोह कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ में 1962 में अनेक सुरक्षात्मक दिशा-निर्देश दिये गये थे, जिन्हें कानून की किताब में शामिल नहीं किया गया। इसी वजह से हनुमान चालीसा पढ़ने और नारे लगाने के लिए भी राजद्रोह के तहत मामले दर्ज हो जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सात साल पहले आईटी की धारा-66ए को निरस्त किया था, लेकिन कानून में बदलाव नहीं होने से इसका दुरुपयोग जारी रहा। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के अनुरूप कानून की किताबों में बदलाव नहीं होने से जनता के दमन के साथ भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अराजकता भी बढ़ती है। अटार्नी जनरल ने कानून को रद्द करने की बजाय इसका दुरुपयोग रोकने के लिए गाइडलाइंस जारी करने का सुझाव दिया है। अध्यादेश या फिर संसद के माध्यम से राजद्रोह कानून को निरस्त करने के लिए सरकार को पहल करनी चाहिए. यह ब्रिटिश उपनिवेशवाद से मुक्ति का शंखनाद होगा।

गर्म हवाओं से आंखों को इन तरीकों से रखें सुरक्षित

भीषण गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। झुलसा देने वाली गर्म हवाओं में घर से बाहर निकलने में भी सौ बार सोचना पड़ता है। गर्मी की चिलचिलाती धूप और लू के थपड़े से न सिर्फ आंखों, बालों पर नकारात्मक असर पड़ता है, बल्कि इससे आंखें भी प्रभावित होती हैं। गर्मियों में सबसे ज्यादा लोग ड्राई आइज, दर्द, एलर्जी, चुभन, कोर्निया में समस्या आदि से परेशान रहते हैं। सनबर्न सिर्फ त्वचा को ही नहीं होती है, बल्कि गर्मियों में अत्यधिक गर्म हवाओं में रहने और नुकसानदायक यूवी किरणें आंखें की कोर्निया को भी जला सकती है। इससे आपको धुंधला दिखाई देना, आंखों में ड्राइनेस, आंखों में किरकिरी महसूस हो सकती है। ऐसे में गर्मियों में गर्म हवाओं से स्किन के साथ ही अपनी आंखों की भी सेहत का जरूर ख्याल रखें। आंखों को हेल्दी रखने के लिए फॉलो करें ये महत्वपूर्ण आई केयर टिप्स।

तरल पदार्थ भरपूर मात्रा में लेते रहें

गर्मी में शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए तरल पदार्थ का सेवन बहुत जरूरी है। लिक्विड का अधिक सेवन आंखों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा होता है। गर्मियों के मौसम में आंखों की टियर फिल्म वाष्पित हो जाती है, इसलिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहना जरूरी हो जाता है ताकि शरीर प्रचुर मात्रा में आंसू का निर्माण कर सके। इन दिनों अधिक शराब और कैफीन के सेवन से भी बचना चाहिए, क्योंकि इससे डिहाइड्रेशन बढ़ सकता है।

घर से बिना सनग्लास पहने न निकलें

टीओआई में छपी एक खबर के अनुसार, जिस तरह से सन्सक्रीन त्वचा के लिए जरूरी होता है, ठीक उसी तरह से आंखों को भी हीट वेव ले बचाने के लिए सुरक्षाकवच की जरूरत होती है। यदि आप दिन के समय घर से बाहर निकलते हैं तो ड्राई आईज, कोर्निया बर्न जैसी समस्या से बचने के लिए अच्छी क्वालिटी का सनग्लास पहनें। हानिकारक यूवी किरणें आंखों को नुकसान पहुंचाती हैं, जिससे आंखें ड्राई हो सकती हैं।

आंखों के पास न लगाएं सन्सक्रीन

यदि आप गर्मी के मौसम में त्वचा को एक्स्ट्रा केयर और यूवी किरणों से बचाने के लिए सन्सक्रीन अप्लाई करते हैं, तो ध्यान रखें कि ये आंखों के आसपास की त्वचा, आईलिड वाले हिस्से पर ना लगा हो। चूंकि, सन्सक्रीन में अधिक मात्रा में एसपीएफ होता है जो आंखों को नुकसान पहुंचा सकता है।

दोपहर में बाहर जानें से बचें

सुबह में 11 बजे से लेकर दिन में 4 बजे तक घर से बाहर बिल्कुल ना जाएं। बहुत जरूरी है, तो छाता, चश्मा, स्कार्फ, पानी सब लेकर चलें। बहुत देर तक धूप में घूमने की बजाय बीच-बीच में छांव में बैठ जाएं। ये ऐसा समय है जब सूरज की अल्ट्रावेयलेट किरणें अत्यधिक तीव्र और नुकसान पहुंचाने वाली होती हैं।

आंखों में डालें आई ड्रॉप्स

हाइड्रेटेड रहने के साथ ही गर्मी के मौसम में आंखों में आई ड्रॉप्स डालना भी जरूरी होता है। इससे आंखों में चिकनाई बनी रहती है। किसी अच्छे आंखों के डॉक्टर से सलाह लेकर आई ड्रॉप्स खरीदें और उसका नियमित रूप से इस्तेमाल करें। गर्म हवाओं से आंखें ड्राई हो जाती हैं, ऐसे में आई ड्रॉप्स डालने से रूखापन, इचिंग, इरिटेशन जैसी समस्याएं नहीं होंगी।

हंसना मना है

श्याम ने एक राह चलती अजनबी लड़की से कहा: आपने पहचाना मुझे? लड़की: नहीं, आप कौन हो? श्याम: मैं वही हूं, जिसे आपने कल भी नहीं पहचाना था।

पापा: बेटा, अमेरिका में 15 साल के बच्चे भी अपने पैरों पर खड़े हो जाते हैं। बेटा: लेकिन पापा, भारत में तो एक साल का बच्चा भागने भी लगता है।

पत्नी ने पति को एक जोर का तमाचा मारा। पति तिलमिला उठा और पूछा: मैंने क्या गलती की? पत्नी: तुम कोई गलती करो उसके लिए मैं इंतजार थोड़े ही करती रहूंगी।

रवि ने चैलेंज किया कि वह कुतुब मीनार को सिर पर रख कर मुंबई ले जा सकता है। इस पर सारी मीडिया वहां पहुंच गई। तब रवि ने मीडिया से कहा -बस कोई कुतुब मीनार उठाकर उसके सिर पर रख दे।

कॉलेज में एक लड़की ने दाखिला लिया...सारे लड़के-लड़कियों ने उसे चिढ़ाने के लिए बुआ कहना शुरू कर दिया। कुछ दिनों तक तो उस बेचारी ने सहन किया। अंत में उसने तंग आकर प्रिंसिपल से शिकायत कर दी। लड़की की बात सुन कर प्रिंसिपल को बड़ा क्रोध आया वह क्लास रूम में पहुंचे और बोले, जो भी इसे बुआ कहता है वह तुरन्त खड़ा हो जाए। एक-एक करके सारी क्लास खड़ी हो गई। केवल रवि बैठा रहा तो प्रिंसिपल ने बड़ी हैरानी के साथ उससे पूछा,क्यों रवि तुम क्यों बैठे हो?रवि ने कहा-सर! मैं इस क्लास का फूफा हूं।

कहानी — लोमड़ी और हंस

एक लोमड़ी और एक हंस दोनों आपस में अच्छे दोस्त थे। एक दिन लोमड़ी ने हंस को दावत पर अपने घर बुलाया। हंस दावत पर गया और लोमड़ी ने दोनों के लिए खीर बनाई लेकिन लोमड़ी ने जानबूझकर दोनों के लिए प्लेट में खीर परोसी। अब हंस के सामने परेशानी यह थी कि वो खीर खाये तो कैसे खाये क्यूंकि हंस का मुंह तो पतला होता है और उसकी चोंच भी बिलकुल ऐसी नहीं थी कि वो एक प्लेट में रखी हुई खीर आसानी से खा सके इसलिए बहुत कोशिश करने के बाद भी हंस कुछ न खा सका। इधर लोमड़ी मजे से खीर खा रही थी क्योंकि प्लेट में खाना उसके लिए बेहद आसान था इसलिए लोमड़ी ने जल्दी ही अपनी खीर चट कर दी। बेचारा हंस चुपचाप बस लोमड़ी का मुंह देखता रह गया। हंस लोमड़ी के इस व्यवहार पर बेहद नाराज हुआ लेकिन उस समय वो चुपचाप वहां से चला गया। अब वो लोमड़ी से इस अपमान का बदला लेना चाहता था इसलिए कुछ दिन बाद उसने भी लोमड़ी को अपने घर दावत पर बुलाया। इस बार हंस ने दोनों के लिए खिचड़ी पकाई। जब लोमड़ी दावत पर आयी तो हंस ने दोनों के लिए पतले मुंह वाली सुराहियों में खिचड़ी परोसी। अब लोमड़ी यह देखकर परेशान हो गयी कि उसके लिए एक पतले मुंह वाली सुराही में खाना परोसा गया है जिसके कारण वो कुछ भी खा नहीं सकती। लोमड़ी को इस बार बहुत जोरो की भूख लगी थी लेकिन अब वो खाये तो कैसे। इधर हंस बड़े मजे से खिचड़ी का आनंद ले रहा था क्यूंकि लम्बे और पतले मुंह वाली सुराही में खाना उसके लिए बहुत आसान था। लोमड़ी अब चुपचाप ये सब देखती रही और अब उसे वो पुरानी बात याद आ गयी जब इसी तरह उसने भी हंस का अपमान किया था। अब लोमड़ी बात को समझ चुकी थी इसलिए वो चुपचाप वहां से खिसक ली। इस प्रकार हंस ने अपने अपमान का बदला ले लिया।

कहानी से शिक्षा: घर आये मेहमान का कभी अपमान नहीं करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में पहले से बनी हुई योजना को किसी और के सामने न रखें अन्यथा दूसरा इसका फायदा उठा सकता है।

वृषभ

अपने रास्ते में आने वाली चुनौतियों का लुत्फ उठाएंगे। आप महसूस करेंगे कि सफलता पाने की आग आपके अंदर है। और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

मिथुन

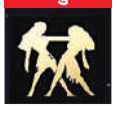

निवेश करते समय सावधान रहें। व्यापार में लाभ होगा। इस राशि के छात्रों को अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। कला क्षेत्र से जुड़े छात्रों को आज अच्छा पैसा मिलेगा।

कर्क

आज आपको मेहनत से कम फल मिलेगा। फिर भी काम के प्रति आपकी लगन कम नहीं होगी। अन्य लोगों के साथ संबंध ठीक रहेंगे। सेहत आज अच्छी रहेगी।

सिंह

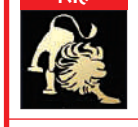

ऑफिस में संभलकर रहने की जरूरत है। कोई आपकी परेशानी का कारण बन सकता है। किसी की मदद सोच-समझकर लें क्योंकि आज धोखे की प्रबल संभावना है।

कन्या

अधिकारी वर्ग के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। बुरी आदतों और नशीले पदार्थों से दूर रहें नहीं तो आप और अधिक परेशान होंगे। शारीरिक थकान और आलस्य जैसी छोटी-मोटी परेशानियां भी बनी रहेंगी।

तुला

आज कोई काम में आपकी मदद कर सकता है। समय के साथ चलें, आप जो काम करना चाहते हैं या अपनी योजना के बारे में जल्द ही कोई अच्छी खबर मिल सकती है। थोड़ा धैर्य रखें।

वृश्चिक

आपके प्रेम संबंधों में नई जान आएगी। आप अपनी पुरानी आदतों को छोड़कर नई शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। ऐसा करने से आपका जीवन के प्रति नजरिया बदल जाएगा ।

धनु

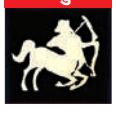

आज वही करें जो मन को अच्छा लगता है, शुभ समाचार मिलेगा आज आपका अनुशासन भंग हो सकता है। पुराने मामले न उठाएं। खर्चे भी होने की संभावना बन रही है।

मकर

आलस्य के कारण कोई काम टल सकता है। ऑफिस में साथ काम करने वाले लोगों से वाद-विवाद या मतभेद होने की भी संभावना है। वाहन का प्रयोग सावधानी से करें।

कुम्भ

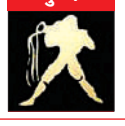

जो योजनाएं आपके हाथ में हैं उनके अलावा आपके हाथ में और भी बहुत से काम होंगे। कार्यक्षेत्र में प्राप्त शुभ समाचार को सुनने के लिए अपने आंख-कान खुले रखें।

मीन

काम के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है। साथ ही नई जमीन खरीदने का भी मौका मिल सकता है। आज नौकरी में तरक्की के योग हैं। व्यापार के मामले में आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे।

उर्फी के बोल्ड लुक से परेशान हुए राहुल वैद्य

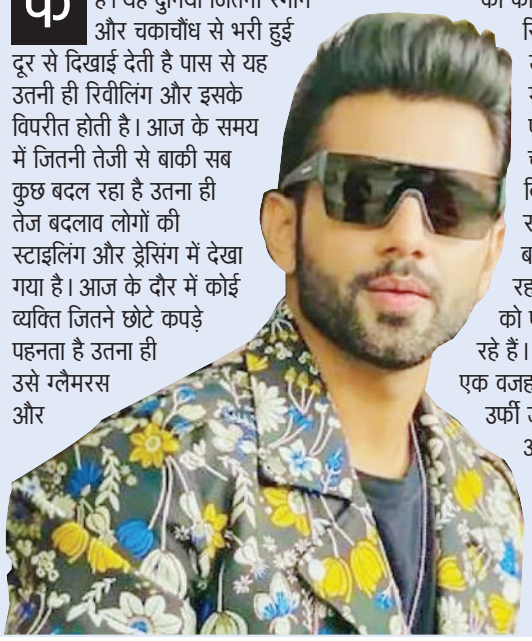

फैशन की दुनिया हर रोज कुछ नया हो रहा है। यह दुनिया जितनी रंगीन और चकाचौंध से भरी हुई दूर से दिखाई देती है पास से यह उतनी ही रिवीलिंग और इसके विपरीत होती है। आज के समय में जितनी तेजी से बाकी सब कुछ बदल रहा है उतना ही तेज बदलाव लोगों की स्टाइलिंग और ड्रेसिंग में देखा गया है। आज के दौर में कोई व्यक्ति जितने छोटे कपड़े पहनता है उतना ही उसे ग्लैमरस और स्टाइलिश माना जाता है। इसी स्टाइल को फॉलो करते हुए बी-टाउन के कई सितारें अपनी हदें पार कर देते हैं, जो उनके मुताबिक उनकी पॉपुलैरिटी में वृद्धि की एक बड़ी वजह होती है। इसी पर चिंता जताते हुए बिग बॉस 14 से चर्चाओं में आए सिंगर राहुल वैद्य अपने दिल की बात लोगों के सामने रखी। सोशल मीडिया पर उनका एक बयान इस समय काफी ट्रेंड कर रहा है, जिसमें वह ऐसे लोगों को फटकार लगाते हुए दिख रहे हैं। इस बयान के ट्रेंड होने की एक वजह यह भी है कि यूजर्स इसे उर्फी जावेद से जोड़ रहे हैं।

अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर राहुल वैद्य ने बिग बॉस के 14वें सीजन में खूब सुर्खियां बटोरी हैं। अब उनका एक ट्वीट बहुत तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें राहुल फैशन के नाम पर कपड़ों की धज्जियां उड़ाने वालों पर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। उन्होंने ट्वीट कर लिखा,मैंने आज इंस्टाग्राम पर एक फोटो देखा, जिसे मेरी पत्नी ने मुझे भेजा था और मेरी बात का ध्यान रखिएगा- आने वाले दिनों में लोग फैशन और ट्रेंड के नाम पर न्यूड तस्वीरें पोस्ट किया करेंगे। इस ट्वीट को एक सबूत के तौर पर सेव कर लीजिए। भगवान हमारा भला करें।

बॉलीवुड | मसाला

कटरीना की प्रेग्नेंसी की खबरों पर विक्की ने तोड़ी चुप्पी

कटरीना कैफ और विक्की कौशल की जोड़ी इंडस्ट्री की पसंदीदा जोड़ियों में से एक है। विक्की और कटरीना ने एक दूसरे को काफी वक्त डेट करने के बाद शादी का फैसला लिया। 6 महीने पहले दोनों शादी के बंधन में बंधे हैं। शादी के महज कुछ ही महीनों बाद कटरीना को लेकर खबर अने लगी कि वो प्रेग्नेंट हैं और जल्द मां बनने वाली हैं। ये बात तब से शुरू हुई जब पिछले महीने कटरीना मुंबई ऐयरपोर्ट पर ढीले-ढाले कपड़ों में स्पॉट की गईं थीं। ढीले-ढाले कपड़ों में उन्हें देखकर लोगों ने अनुमान लगाया कि वो प्रेग्नेंट हैं। इसके बाद हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई है कि कटरीना कैफ दो महीने की प्रेग्नेंट हैं। हालांकि अब विक्की कौशल के स्पोक्सपर्सन की ओर से नई बात सामने आई है।

कटरीना कैफ के प्रेग्नेंसी की खबरों पर अब पति विक्की कौशल ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने इसे अफवाह बताया है। प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर विक्की कौशल की टीम ने सच्चाई बताई है। टीम के प्रवक्ता के अनुसार, यह रिपोर्ट झूठी है। यह एक अफवाह है और इसमें कोई सच्चाई नहीं है। शादी के तुरंत बाद ही विक्की कौशल और कटरीना कैफ अपनी फिल्मों की शूटिंग में जुट गए थे। कटरीना ने हाल ही में टाइगर 3 की शूटिंग पूरी की है। इसके बाद वह अपनी नई फिल्म मेरी क्रिसमस की शूटिंग में बिजी हैं। कटरीना के पास इस वक्त जी ले जरा, फोन भूत, टाइगर 3 और मेरी क्रिसमस जैसी फिल्में हैं। इन वहीं विक्की कौशल के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह सैम बहादुर और द इमोर्टल अश्वत्थामा में जल्द ही दिखेंगे। इसके अलावा वह अपनी नई फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके अपोजिट एक्ट्रेस सारा अली खान लीड रोल में होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

कला क्षेत्र में उत्तर बनाम दक्षिण विवाद का कोई महत्व नहीं: रणवीर सिंह

देश के हिंदी भाषी क्षेत्रों में दक्षिण भारतीय फिल्मों की बढ़ती हुई लोकप्रियता को लेकर बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह का कहना है कि वह इसे उत्तर बनाम दक्षिण के नजरिए से नहीं देखते और कला क्षेत्र सृजनात्मकता के लिए जाना जाता है, जहां प्रतिस्पर्धा की अवधारणा नहीं होनी चाहिए। रणवीर सिंह ने विशेष साक्षात्कार में कहा, ''मैं कला क्षेत्र में उत्तर बनाम दक्षिण के विषय को बेमानी मानता हूं और इसे इस नजरिए से कभी नहीं देखता। मेरे मुताबिक जीवन में बहुत सारे ऐसे क्षेत्र हैं, जहां प्रतिस्पर्धा की भावना होना स्वाभाविक है। उदाहरण के तौर पर खेल के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा की भावना काफी प्रबल होती है। मैं कला के क्षेत्र में उत्तर बनाम दक्षिण की बहस को खारिज करता हूं।'' रणवीर ने कहा, ''एक कलाकार के तौर पर मैं अपने ईमान और सत्यनिष्ठा की पूरी ताकत के साथ रक्षा करता हूं और कला का क्षेत्र विषयपरकता के दायरे में आता है, जहां प्रतिस्पर्धा की भावना नहीं होनी चाहिए। मैं अपने सहयोगी और अन्य कलाकारों के साथ कभी प्रतिस्पर्धा नहीं करता। मैं बेहतर काम के लिए केवल अन्य कलाकारों की सराहना कर सकता हूं। मैं इसे उत्तर बनाम दक्षिण के नजरिए से नहीं देखता। हम सभी फिल्मी कलाकार भारतीय सिनेमा का हिस्सा हैं।'' रणवीर के मुताबिक, भारत की मूल पहचान उसकी विविधता में है और वह उस पर गर्व करते हैं। रणवीर ने कहा,'' जब मैं कहीं विदेश जाता हूं और मैं लोगों से मिलता हूं तो उन्हें अपने काम और अपने देश की विविधता के बारे में बताता हूं, जो हमारी ताकत है। जनसांख्यिकी, भूगोल, भाषाओं, संस्कृतियों, व्यंजनों और अन्य चीजों को लेकर हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। यह मेरे देश का वह पहलू है, जिस पर निश्चित रूप से मुझे बहुत गर्व है इसलिए, हम सभी भारतीय सिनेमा का हिस्सा हैं।'' रणवीर ने ''पुष्पा'' और ''आरआरआर'' जैसी फिल्मों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें गर्व करना चाहिए कि हमारे देश में ऐसी शानदार फिल्में बनती हैं।

ये है एशिया का सबसे पुराना होटल 182 साल पहले हुआ था निर्माण

भारत में कई ऐसे होटल हैं जो अपने अनोखे डिजाइन और खूबसूरती के लिए फेमस हैं। किसी ने बदलते दौर को अपना लिया और आधुनिक बन गया तो कोई आज भी अपने परंपरागत तौर तरीकों के लिए जाना जाता है। कई होटल आजादी के बाद स्थापित हुए और आज तक लोगों को सेवाएं दे रहे हैं मगर कुछ होटल देश की आजादी के पहले से चल रहे हैं। इनमें से एक होटल कोलकाता में है जिससे जुड़ी बड़ी बात ये है कि ये होटल भारत का ही नहीं एशिया का सबसे पुराना होटल है। द ललित ग्रेट ईस्टर्न होटल कोलकाता की तो शान है ही साथ में भारत की भी शान है। उसका कारण ये है कि ये होटल भारत ही नहीं, एशिया का सबसे पुराना होटल है। होटल के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के मुताबिक इसका निर्माण 1840 में डेविड विल्सन ने करवाया था। होटल शुरू करने से पहले विल्सन उसी जगह पर एक बेकरी चलाते थे। जब उन्होंने होटल का निर्माण करवाया तब उसका नाम ऑकलैंड होटल था जो जॉर्ज ईडन के सम्मान में रखा गया। जॉर्ज उस दौरान पहले अर्ल ऑफ ऑकलैंड थे और भारत के गवर्नर जनरल। होटल की शुरुआत 100 कमरों से हुई थी जबकि ग्राउंड फ्लोर पर एक डिपार्टमेंटल स्टोर खोला गया था। होटल का 1860 में विस्तार किया गया और उसकी मैनेजिंग कंपनी का नाम डी विल्सन एंड कंपनी की जगह ग्रेट ईस्टर्न होटल वाइन एंड जनर्ल पर्व्यूइंग कंपनी कर दिया गया था। ये पहला होटल था जिसमें पहली बार साल 1859 में कोई भारतीय बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में शामिल हुआ था। साल 1883 में होटल को बिजलीकरण हुआ और तब ये होटल बिजली से जगमगाने वाला भारत का पहला होटल बन गया। 1915 में होटल का नाम बदलकर ग्रेट ईस्टर्न होटल कर दिया गया। पुराने वक्त में होटल को 'पूरब का गहना' कहा जाता था। मशहूर लेखक और कवि रुडयार्ड किपलिंग ने अपनी शॉर्ट स्टोरी सिटी ऑफ ड्रेडफुल नाइट्स में इस होटल का जिक्र किया है। होटल का मैनेजमेंट 1970 के दौरान राज्य सरकार ने अपने हाथों में ले लिया था। 30 सालों तक मैनेजमेंट सरकार के पास ही रहा। साल 2005 में होटल को ललित सूरी हॉसपिटैलिटी ग्रुप को बेच दिया गया। साल 2005 में होटल की मरम्मत और नवीनीकरण के कारण उसे बंद किया गया था। तब तक वो एशिया का सबसे ज्यादा लंबे वक्त तक चलने वाला होटल था।

अजब-गजब | ये जनजाति एक दूसरे के प्रति रखते हैं सद्भाव

अनोखी जनजाति जो महात्मा गांधी की तरह करती है अहिंसा का पालन

दुनिया में कई तरह की जनजातियां हैं जो अपनी अजीबोगरीब मान्यताओं के कारण चर्चा में रहती हैं। शहरी लोगों को इन जनजातियों से जुड़ी मान्यताएं हैरान करने वाली लग सकती हैं मगर ये जनजातियां पिछले काफी वक्त से इनका पालन करती हैं और आज भी वो इन्हें बदलाव की आंधी से बचाकर रखी हैं। आज हम मलेशिया की ऐसी ही जनजाति के बारे में बताने जा रहे हैं जो अपने अहिंसा के भाव के कारण हमेशा तारीफों से घिरी रहती है। मलेशिया की माई सेमाई ट्राइब को ओरैंग दलाम के नाम से भी जाना जाता है। ये दक्षिण पूर्वी एशिया के मलय प्रायद्वीप में रहने वाली जनजाति है। ऐसा माना जाता है कि सेमाई दक्षिण पूर्व एशिया की मूल आबादी के वंशज हैं, जो लगभग 8000 से 6000 ईसा पूर्व के दौरान मलय प्रायद्वीप पर पहुंचे थे। प्रजाति खाने के लिए स्लैश और बर्न खेती का तरीका अपनाती है। इसके अलावा ये लोग मछली पालन, मुर्गी और बकरी पालन का भी काम करते हैं जिससे ये अपने लिए मांस का प्रबंध करते हैं।

अहिंसा के उपासक

अब आपको बताते हैं कि ये जनजाति क्यों इतनी खास है। दरअसल, इस जनजाति में लंबे वक्त से अहिंसा का पालन होता है। माना जाता है कि इस जनजाति के लोगों में सहनशीलता बहुत होती है। वो कभी भी किसी तरह की लड़ाई में नहीं पड़ते, न ही खुद से, न ही किसी बाहरी से। रॉबर्ट डेनटैन नाम के ऑथर ने अपनी एक किताब में इस बात का जिक्र किया था कि 1970 से 2004 तक इस जनजाति में हत्या जैसे मामले के सिर्फ 4 केस सामने आए थे जबकि छोटे-मोटे मामले ना के बराबर सुनने को मिलते हैं। हालांकि, उनकी सहनशीलता को उनकी कमजोरी नहीं समझा जा सकता। रिपोर्ट के अनुसार मलायन इमर्जेंसी के वक्त अंग्रेजों ने सेमाई जनजाति के लोगों को कम्युनिस्टों से टकराने के लिए नियुक्त किया था।

पुनान का करते हैं पालन

पुनान एक तरह की मान्यता है, जिसके अनुसार किसी और को दुखी करना या फिर अपनी ख्वाहिशों को उनके ऊपर लादना इस जनजाति में गलत माना जाता है। इसका कारण ये है कि उन्हें लगता है अगर वो किसी को दुखी करेंगे तो उन्हें शारीरिक समस्याएं होंगी। इसी मान्यता के कारण इस जनजाति के लोग हमेशा अपना खाना बांटकर ही खाते हैं अगर बड़ा शिकार किया जाता है तो उसे समुदाय के सदस्यों को भी भेजा जाता है जबकि छोटी चीजों को परिवार में बांटा जाता है।

भाजपा राज में अराजकता की भेंट चढ़ गया प्रदेश : अखिलेश

» परियोजनाओं की खुल रही है पोल, भ्रष्टाचार का है बोलबाला

» स्वास्थ्य एवं शिक्षा व्यवस्था हो चुकी है चौपट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश अव्यवस्था और अराजकता की भेंट चढ़ गया है। भाजपा की बहुचर्चित योजनाओं की पोल अब जनता के सामने खुलती जा रही है। भाजपा की बड़ी दुकान के फीके पकवान से जनता ऊबती जा रही है। प्रशासनिक ढिलाई, अकर्मण्यता और भ्रष्टाचार से प्रदेश का राजनैतिक वातावरण प्रदूषित हो चला है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत ललितपुर में करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी योजना का सही ढंग से कार्यान्वयन नहीं हो पा रहा है। अभी तक 14 गांवों में सामुदायिक शौचालय नहीं बन सके हैं। जो बने भी हैं उनमें बड़े पैमाने पर कमियां उजागर हुई है। स्वच्छ भारत के नाम पर केवल भ्रष्टाचार हुआ है। गोरखपुर में मरीजों को विशिष्ट स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए एम्स की स्थापना की गई। भाजपा सरकार में यह अव्यवस्था का केन्द्र बन गया है। मुख्यमंत्री अपने गृह जनपद में बदइंतजामी के सिवाय कुछ नहीं दे सके हैं। एम्स में सुविधाओं का अभाव मरीजों पर भारी पड़ रहा है। मरीज को गोद में लेकर तीमारदार ओपीडी में बहुत मुश्किल से पहुंच पाते हैं। देवरिया में मरीजों को मिलने वाले भोजन में भी भ्रष्टाचार की शिकायते हैं। यहां मेडिकल कॉलेज में प्रसूताओं को पानी वाला दूध, पानी वाली सब्जी परोसी जा रही है। गर्भवती महिलाओं की समय से जांच भी नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में सरकारी स्कूलों की बर्बादी नजर आ रही है। परिषदीय स्कूलों में शौचालय और पीने के पानी के लिए बच्चे परेशान है। मिशन कायाकल्प के नाम पर करोड़ों रूपए फूंकने के बाद भी अव्यवस्था पर रोक नहीं है।

उन्होंने कहा कि सपा सरकार ने गोमती की सफाई कराकर शानदार रिवरफ्रंट बनाकर जनता को समर्पित किया था। भाजपा सरकार बनते ही राजनैतिक विद्वेषवश नदी को गंदा और रिवरफ्रंट को बर्बाद कर दिया गया। विज्ञापनों और होर्डिंग के जरिए विकास के थोथे दावों से प्रदेश की जनता को अनन्तकाल तक गुमराह नहीं किया जा सकता है।

शामली में नहाते समय नहर में डूबे दो भाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शामली। पूर्वी यमुना नहर में नहाने समय दो चचेरे भाई डूब गए। काफी देर बाद पुलिस ने दोनों को बेहोशी की हालत में बाहर निकाला और उपचार के लिए शामली ले गए। चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। दोनों किशोर की मौत से स्वजन में कोहराम मचा गया।

कस्बे की एकता कालोनी निवासी दो सगे भाई सागर और साबिर पुत्र अय्यूब अपने चचेरे भाई बिलाल पुत्र मंगता और पड़ोसी फरजान पुत्र गय्यूर के साथ शुक्रवार को नहर पर नहाने गए थे। 13 वर्षीय सागर और 16 वर्षीय बिलाल नहर में नहाने लगे जबकि फरजान व साबिर बाहर खड़े थे। नहाते समय दोनों किशोर खेलने लगे और पानी में एक दूसरे का पीछा करने लगे। बाहर खड़े दोनों किशोर ने ऐसा नहीं करने को कहा लेकिन खेल रहे दोनों ने अनसुना कर दिया। कुछ ही देर बाद दोनों पुल के पास कुंड में डूब गए। दोनों को निकालकर अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बुलंदशहर : पेड़ से लटके मिले युवक-युवती के शव, सनसनी

» शवों की शिनाख्त में जुटी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुलंदशहर। आज सुबह सीकरी गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब गांव के बाहर पेड़ से लटकता युवक-युवती का शव मिला। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों को जोड़कर जांच कर रही है।

बुलंदशहर के कोतवाली खुर्जा नगर क्षेत्र के गांव सीकरी के निकट पेड़ से युवक-युवती के शव लटके मिले। लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचित कर स्थिति से अवगत कराया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों की शिनाख्त के प्रयास किए। आसपास के गांव के लोगों ने भी मौके पर पहुंचकर शवों की शिनाख्त के प्रयास किए हैं जिसके बाद भी अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हत्या और आत्महत्या की जांच कर रही है। कोतवाली खुर्जा नगर प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि अभी तक शवों की शिनाख्त नहीं हुई है। शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही वास्तविकता सामने आएगी।

स्कूल की पानी की टंकी में मिली मासूम की लाश

लखनऊ। सैरपुर में एक साल की बच्ची की हत्या कर दी गई। उसका शव दुगौर प्राथमिक विद्यालय के शौचालय की पानी की टंकी में मिला है। सैरपुर इलाके में रहने वाले बच्ची के पिता ने बताया कि गुरुवार रात नौ बजे उनकी बेटी घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान लापता हो गई। बच्ची की गुमशुदगी दर्ज कराई गई। पूछताछ में पता चला कि मासूम को दुगौर प्राथमिक विद्यालय के पास आखिरी बार देखा गया था। इस पर स्कूल परिसर में पुलिस ने सर्च आपरेशन चलाया। स्कूल के शौचालय की पानी की टंकी में मासूम का शव पड़ा मिला। बच्ची के शरीर पर कपड़े भी नहीं थे। एडीसीपी उत्तरी प्राची सिंह ने बताया कि पुलिस को पीड़ित परिवार के पड़ोसी और एक करीबी के बेटे पर शक है। घटना के समय मासूम के घरवाले एक शादी में गए थे। मासूम परिवार के अन्य लोगों के साथ घर पर थी। इसी दौरान उसे उसे अगवा कर लिया गया।

गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड, पारा 47 डिग्री के पार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» आने वाले दिनों में और बढ़ सकता है तापमान

» लू के थपेड़ों के कारण सड़कों पर पसरा सन्नाटा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गर्मी ने मई के महीने में पिछले 12 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। शुक्रवार को प्रदेश में सबसे अधिक गर्म बांदा जिला रहा। यहां का अधिकतम तापमान 47.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

राजधानी के अमौसी स्थित आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि आने वाले एक हफ्ते में गर्मी और बढ़ेगी। आने वाले 10-12 दिनों तक बारिश का आसार नहीं है। उन्होंने बताया कि 25 मई के बाद प्रदेश के कुछ जिलों में बारिश की संभावना बन सकती है। राजस्थान के थार मरुस्थल से आ रही गर्म हवाओं ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। गर्मी के साथ उमस भी हो रही है। इसकी वजह से लगातार तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। आने वाले दिनों में यूपी के कई शहरों का तापमान 49 डिग्री तक जा सकता है। उत्तर प्रदेश भी गर्मी से परेशान है। लू के थपेड़ों ने लोगों का घर से बाहर निकलना दूभर कर दिया है। यहां भी गर्मी का आलम ये है कि अप्रैल महीने में ही पारा 40 डिग्री पार कर गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं चिकित्सकों का कहना है कि चिलचिलाती गर्मी में घर से बाहर निकलने से लोगों के बीमार पड़ने का खतरा भी बढ़ गया है। वहीं गर्मी के मौसम में बुजुर्गों और छोटे बच्चों में हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

तो महंगाई के मुद्दे से लोगों को भटका रही सरकार!

» अनावश्यक मुद्दों को दी जा रही हवा, चलायी जा रही हिंदुत्व की हवा

» विपक्ष भी सरकार को घेरने में नाकाम, 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आठ साल में महंगाई की दर अपने सर्वोच्च बिंदु पर पहुंच गयी है। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के दाम आसमान पर हैं। सवाल यह है कि सरकार बढ़ती महंगाई की अनदेखी क्यों कर रही है? आम आदमी की समस्याओं की जगह अनावश्यक मुद्दों पर चर्चा कर क्या लोगों को भटकाने का काम किया जा रहा है? इन्हीं मुद्दों पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह, आशोक वानखेड़े, शीतल पी सिंह, सुशील दुबे, प्रो. जितेंद्र मीना और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच लंबी परिचर्चा हुई।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सुशील दुबे ने कहा, नेताओं और अधिकारियों को क्या पता कि महंगाई क्या होती है। आम आदमी के कष्ट से इनको कोई मतलब नहीं है। इसमें कुछ लोग हिंदूत्व का मुद्दा चला रहे हैं। शीतल पी सिंह ने कहा, जब विपक्ष में भाजपा थी तब महंगाई मुद्दा बन जाता था। भाजपा ने संचार साधनों पर कब्जा कर लिया है। इससे वे जब चाहते हैं विपक्ष का मजाक बना देते हैं। इस समय देश में हिंदु-मुस्लिम चल रहा है। प्रो.जितेंद्र मीना ने कहा, पूरा ग्रामीण भारत महंगाई की चपेट में है लेकिन विपक्ष इस मसले को पुरजोर तरीके से नहीं उठा रहा है। जनता को सोशल मीडिया के जरिए भटकाया जा रहा है। सतीश के सिंह ने कहा, जब हम महंगाई दर बढ़ने की बात कर रहे हैं तो हमें यह भी देखना होगा कि हिंदुत्व का डर भी पांच गुना बढ़ गया है। लोग हिंदुत्व से ओतप्रोत या ग्रसित हो गए हैं। यह भाजपा को बल देता है। भाजपा के लोग सोचते हैं कि अस्सी करोड़ लोगों को फ्री में राशन मिल रहा है तो क्या महंगाई। अशोक वानखेड़े ने कहा, जिस दिन लोगों को फ्री में अनाज मिलना बंद हो जाएगा तभी लोगों को समझ आएगा कि महंगाई है लेकिन आज आर्थिक अराजकता का वातावरण पैदा हो गया है।

गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाने को लेकर चिदंबरम का केंद्र पर हमला, कहा

किसान विरोधी है सरकार, देश हित में नहीं आर्थिक नीतियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उदयपुर। केंद्र सरकार के गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने के फैसले पर पूर्व वित्तमंत्री और कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने कहा कि निर्यात से किसानों को अच्छी कमाई हो सकती थी, परंतु सरकार ऐसा नहीं चाहती। इसी वजह से उसने यह किसान विरोधी कदम उठाया है।

केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय संबंधों की हो समीक्षा

चिदंबरम ने कहा कि मुझे लगता है कि केंद्र सरकार पर्याप्त मात्रा में गेहूं खरीद नहीं कर सकी। इसी वजह से उसने निर्यात पर प्रतिबंध लगाया है। गेहूं का उत्पादन कम नहीं हुआ है बल्कि बढ़ा ही है। अगर खरीद हुई होती तो गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। महंगाई अस्वीकार्य स्तर तक पहुंच गई है। अपनी गलत नीतियों से सरकार महंगाई बढ़ा रही है। इनकी आर्थिक नीतियां देशहित में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था चिंतनीय है। पिछले आठ साल में विकास की धीमी दर वर्तमान सरकार की पहचान रही है। राज्यों की वित्तीय स्थिति बेहद खराब है। समय आ गया है कि केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की जाए। 2017 में मोदी सरकार के गलत तरीके से लागू किए गए जीएसटी का परिणाम सबके सामने है। लोगों को महंगाई की मार झेलनी पड़ी है। लोगों की नौकरियां छीन गई। महंगाई और उच्चतम ब्याज दर के कारण रुपया कमजोर हुआ है। सरकार पूरी तरह से फेल है। हम उनकी असफलताओं को जनता के सामने रखेंगे। रोजगार को लेकर चिदंबरम ने कहा कि 2019 में हमने केंद्र सरकार में रिक्त वेकैंसी को भरने की बात कही थी। भाजपा ने भी यही वादा किया था लेकिन 2019 के बाद रेलवे और पैरामिलिट्री में वेकैंसी बढ़ गई। ये नौजवानों और पिछड़े तबके के खिलाफ है। अगर आप सरकारी भर्तियां नहीं करेंगे तो लोग नौकरियां ढूंढने कहां जाएंगे। ये जनता विरोधी सरकार है। साथ ही उन्होंने माना कि देश के बिगड़ते आर्थिक हालातों को हम जनता तक पहुंचाने में फेल हो गए। अब हम जनता के सामने सारे मुद्दे रखेंगे।

ढाबा संचालक ने ग्राहक की गोली मारकर कर दी हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कासगंज। पटियाली-अलीगंज मार्ग पर भदौरिया ढाबा संचालक ने खाना खाने आए ग्राहक को गोली मार दी, जिससे ग्राहक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीती रात भदौरिया ढाबा संचालक एवं ग्राहक के बीच पानी की बोतल को लेकर गहमा-गहमी हो गई और यह बात मारपीट तक आ गई। ढाबा संचालक ने ग्राहक पंकज सिंह को गोली मार दी, जिससे पंकज (32) पुत्र राकेश सिंह, निवासी अशोकपुर, कोतवाली पटियाली, जनपद कासगंज की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद ढाबा संचालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर कोतवाली पटियाली पुलिस मौके पर पहुंच गई और घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी। कोतवाली पटियाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पंकज सिंह और भदौरिया ढाबा संचालक के बीच पानी की बोतल को लेकर विवाद हो गया था जिसके बाद ढाबा संचालक ने पंकज सिंह को गोली मार दी। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

शेख खलीफा के निधन पर यूपी में राजकीय शोक

सीएम योगी ने स्थगित किए सभी कार्यक्रम

» संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति के निधन पर जताया शोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख खलीफा के निधन पर गोरखपुर में आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं। इसमें सीएम योगी द्वारा 280 करोड़ रुपये की परिजनाओं का लोकार्पण कार्यक्रम भी शामिल था। शेख खलीफा के निधन पर उत्तर प्रदेश में आज एक दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है। इससे पहले सीएम योगी ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख खलीफा के निधन पर शोक प्रकट किया। उन्होंने शेख के परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट की है।

सीएम योगी आज रामगढ़ताल क्षेत्र स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति पार्क में 144 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास और जनसभा करने वाले थे। इस साथ ही मुख्यमंत्री 33.16 करोड़ रुपये की लागत वाली ग्रामीण अभियंत्रण विभाग और गोरखपुर विकास प्राधिकरण की 40 परियोजनाओं का लोकार्पण करने वाले थे। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति एवं अबूधाबी के शासक शेख खलीफा बिन जायद अल नाह्यान का शुक्रवार को निधन हो गया था।

मुंडका अग्निकांड: घटना स्थल पर पहुंचे सीएम केजरीवाल, मुआवजे का किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। मुंडका इलाके में मेट्रो स्टेशन के पास स्थित तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत में लगी भीषण आग के बाद आज मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटना के मजिस्टीरियल जांच के आदेश दिए है। साथ ही मुआवजे का ऐलान भी किया।

» तीन मंजिला इमारत में आग लगने से 27 लोगों जल गए थे जिंदा, कई लापता, जांच के आदेश

» मृतकों के परिजनों को दस-दस लाख का मुआवजा, कंपनी के दो मालिकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस मामले में दिल्ली सरकार ने मजीस्टीरियल जांच के आदेश दे दिए हैं। साथ ही मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख का मुआवजा दिया जाएगा और घायलों के लिए 50-50 हजार की व्यवस्था की गई है। यह भीषण आग थी जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। लोगों के शव इतनी बुरी तरह से जल गए हैं कि उन्हें पहचान पाना भी मुश्किल है। हमने गायब हुए और मृत लोगों की पहचान के लिए लोगों को तैनात किया है। गौरतलब है कि मुंडका इलाके में मेट्रो स्टेशन के पास स्थित तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत में शुक्रवार शाम भीषण आग लग गई। हादसे में महिला समेत 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग झुलस गए। जिन्हें ग्रीन कॉरिडोर बनाकर संजय गांधी अस्पताल भेजा गया। आज सुबह तक आग जरूर बुझा ली गई है लेकिन राहत व बचाव कार्य अब भी जारी है। कई लोगों के लापता होने के चलते परिजन उनकी तलाश कर रहे हैं। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी व तमाम नेताओं ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के लिए 2-2 लाख और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपये के मुआवजे की घोषणा की है जो प्रधानमंत्री राहत कोष से दी जाएगी। पुलिस ने इस मामले में कंपनी के दो मालिकों हरीश गोयल और वरुण गोयल को गिरफ्तार किया है।

स्कार्पियो और आल्टो कार में टक्कर, तीन की मौत, दो घायल

» बहराइच से लखनऊ आ रहे थे कार सवार

» एक ही गांव के दो लोगों की मौत से कोहराम

» नानपार-लखीमपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहराइच। नानपारा-लखीमपुर राष्ट्रीय राज मार्ग पर दो कारों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए। घायलों में एक की इलाज के दौरान मौत हो गई जबकि दो अस्पताल में भर्ती हैं। मिहींपुरवा के नैनिहा राजापुर से पांच लोग अल्टो कार में सवार होकर लखनऊ आ रहे थे।

कार सवार देर रात 12 बजे रजवापुर के पास पहुंचे ही थे कि तभी सामने से आ रही स्कोर्पियो से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि अल्टो के परखच्चे उड़ गए। नैनहिया राजापुर निवासी हरिदेव का पुत्र धर्मपाल (21) एवं बलसिंहपुर निवासी तीरथराम (37) की मौके पर मौत हो गई। इसके अलावा बलसिंहपुर के विनोद (30), खैरासमेसा निवासी रामू (25) एवं एक अन्य घायल हो गए। एक अज्ञात व विनोद की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान विनोद की मौत हो गई। रामू का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नानपारा व अज्ञात का इलाज जिला चिकित्सालय में चल रहा है। एक ही गांव के दो लोगों की मौत से कोहराम मच गया। अस्पताल एवं पोस्टमार्टम स्थल पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। परिवारीजन का रो-रो कर हाल बेहाल है। प्रभारी निरीक्षक भानुप्रताप सिंह ने बताया कि मृतक के भाई मिथिलेश की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। स्कार्पियों की तलाश की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।